हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 10 जून , 2025

11 ईसाई समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा व अत्याचारों ...

12 चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल बचाओ ...

खबर संक्षेप

सीटीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं

चरखी दादरी। जिले में नागरिकों की शिकायतों के निदान के लिए लगातार समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को उपायुक्त मुनीश शर्मा के मार्गदर्शन में सीटीएम जितेन्द्र कुमार ने लघु सचिवालय के सभागार में लोगों की शिकायतें सुनी और उनके निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों ने मौके पर इन शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू की। नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए अब सोमवार और वीरवार को जिला व उपमंडल मुख्यालय पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

ट्राले ने कार को मारी टक्कर, कई घायल

लोहारू। बीते दिवस शहर के नजदीक कथित रूप से ट्राले ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार एक ही परिवार के कई लोग घायल हो गए। पुलिस को दिए बयान में हनुमान ढाणी निवासी ख्यालीराम ने बताया कि वह अपने भाई रतनलाल और परिवार के सदस्य कुसुम, बीना, प्राची, तेजस वर हर्षित के साथ लोहारू से ढिगावा जा रहे थे। इस दौरान लोहारू के नजदीक पीछे से रहे ट्राले ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के कारण कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे बीना, कुसुम व छोटे बच्चे प्राची, तेजस व हर्षित को काफी चोटें आई।

12 जुलाई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

चरखी दादरी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन नरेश कुमार के मार्गदर्शन व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव संजीव काजला के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 जुलाई को जिला न्यायालय परिसर में किया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक लंबित मामलों का आपसी सहमति से त्वरित व स्थाई समाधान करना है।

गांव तिगड़ाना को हांसी जिले में शामिल करने की योजना का विरोध, सौंपा ज्ञापन

ग्रामीण बोले- हमें भिवानी में ही रहने दो, योजना को रद करने की मांग

43 किलोमीटर दूर हांसी जिले में शामिल करने से आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी जिला मुख्यालय से महज 4 किलोमीटर दूर स्थित तिगड़ाना गांव को हांसी जिले में शामिल किए जाने की प्रस्तावित योजना को लेकर तिगड़ाना के ग्रामीणों में खासा रोष है तथा वे इस योजना को रद्द कर गांव तिगड़ाना को हांसी की बजाए भिवानी जिला में ही शामिल रखे जाने की मांग उठा रहे है। इसी मांग को लेकर सोमवार को करीबन 1500 के करीबन ग्रामीण भिवानी के उपायुक्त कार्यालय पहुंचे तथा उपायुक्त को मांगपत्र सौंपकर तिगड़ाना को भिवानी जिला में ही शामिल रखे जाने की मांग जोर-शोर से उठाई

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान भिवानी के साथ जुड़ी: गांव तिगड़ाना निवासी एवं भाजपा नेता परमजीत सिंह मड्ढ व सरपंच सुरेंद्र कुमार ने बताया कि तिगड़ाना गांव की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान भिवानी जिले से जुड़ी हुई है, जिसे किसी भी हाल में तोड़ने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिगड़ाना गांव की भौगोलिक स्थिति, जनसुविधाएं और प्रशासनिक जरूरतें भिवानी से जुड़ी हुई हैं। गांववाले रोजमर्रा के कार्यों के लिए भिवानी पर निर्भर हैं, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों या कृषि संबंधी कार्य। ऐसे में 43 किलोमीटर दूर हांसी जिले में शामिल करने से आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि गांव तिगड़ाना की जनसंख्या करीबन 25 हजार तथा मतदाता करीबन 11 हजार है। आज हुए प्रदर्शन में गांव तिगड़ाना के करीब 15 सौ लोग शामिल हुए।

भिवानी। तिगड़ाना को हांसी में शामिल करने की प्रस्तावित योजना के विरोध में नारेबाजी करते और उपायुक्त को मांगपत्र सौंपते गांव तिगड़ाना के ग्रामीण।

जिला मुख्यालय से गांव की दूरी चार किलोमीटर

पूर्व सरपंच नेत्रपाल, प्रदीप ढाला, राजेश प्रधान, दीपा तंवर व अमित ने कहा कि गांव से जिला मुख्यालय भिवानी की दूरी मात्र 4 किलोमीटर होने से ग्रामीणों को अपने विभिन्न कार्यों के लिए भिवानी आने के लिए कम आर्थिक खर्च वहन करने के साथ वाहन भी आसानी से मिल जाते है। इससे उनके समय व रूपये दोनों की बचत है। लेकिन यदि तिगड़ाना को हांसी जिला में शामिल कर दिया गया तो ग्रामीणों को अधिक खर्च व समय लगेगा, जिससे उनकी आर्थिक परेशानियां बढने के साथ-साथ रोजमर्रा के कार्य भी प्रभावित होंगे। जिसका ना कोई औचित्य नहीं बनता तथा यह तिगड़ाना के ग्रामीणों के हितों के भी विपरीत है। ऐसे में वे मांग करते है कि गांव तिगड़ाना को भिवानी जिला में रखा जाए।

बड़े स्तर पर होगा आंदोलन

कप्टेन रविंद्र, बीडीसी चेयरमैन सीताराम, नरेंद्र शर्मा, जिला पार्षद कृष्ण दहिया ने चेतावनी भी दी कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए विवश होंगे तथा जरूरत पड़ी तो रोड़ जाम या अन्य राह अपनाकर अपनी बात सरकार तक पहुंचाएंगे। उपायुक्त ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों और भावनाओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और उचित निर्णय लिया जाएगा।

इस अवसर पर रतिपाल पीटीआई, अनिल प्रधान, नवीन तंवर, राजेश प्रधान, प्रमोद पंच, सुरेंद्र पंच, जोनी एडवोकेट, नवीन एडवोकेट, संजय एडवोकेट, शैली जेलदार, सुमित एडवोकेट, श्याम पंच, भोमराज जेलदार, अनिल परमार, अनिल, कैप्टेन नरेंद्र, राजा, चांद, कुलदीप तंवर, जोनी मास्टर, उदय मास्टर, नेत्रपाल, नेतराम, सुनील, अमित, रमेश सोनी, नरेंद्र पूर्व चेयरमैन, बोबी, राजू फौजी, नरेश पटवारी, रामबिलास शर्मा, कुशलपाल फौजी, प्रमोदी, नरेंद्र फौजी, भूप प्रधान, जितेंद्र तंवर, सोनू, रविंद्र, कमल प्रधान सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

पारे को लगे पंख, 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा पारा

भिवानी। तीन चार दिनों से लगातार पारे को पंख लगे हुएहै। सूर्यदेव की जबरदस्त तपिश की वजह से सोमवार को पारा 43 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। अचानक पारा उपर बढ़ने की वजह से लोग गर्मी के मारे बेहाल नजर आए। गर्मी से बचने के लिए लोग पंखे व कूलर के आगे बैठे रहे। शाम होने के बाद ही लोगों की दिनचर्या पटरी पर लौटी।

सुबह जब लोग सोकर उठे तो आसमान पूरी तरह साफ था। जैसे दिन चढने लगा तो पारा भी उपर की तरफ सरकना आरंभ हो गया। अन्य दिनों की अपेक्षा आज ज्यादा गर्मी महसूस की गई। चूंकि पिछले कई दिनों से पारा 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था,लेकिन सोमवार को आसमान से बादल छंटने के बाद एकदम पारे ने तीन डिग्री सेल्सियस छलांगा मारी। जिस वजह से लोग गर्मी की वजह से बेहाल नजर आए। सोमवार को पारा 43 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। जिसके चलते हर कोई व्यक्ति परेशान नजर आया। पूरे दिन लोग गर्मी से बचते नजर आए। लोग गर्मी में बाहर निकलने से परहेज करते रहे। दोपहरी में शहर व कस्बों की सड़कें सुनी नजर आई। शाम ढलने के बाद ही लोगों की सड़कों पर आवाजाही शुरू हुई। क्योंकि पिछले दो दिनों से जबरदस्त गर्मी पड़ रही है।

हीट वेव के दौरान लोगों को सतर्क रहकर सावधानी बरतने की जरूरत

चरखी दादर। मौसम विभाग की ओर से हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहकर सावधानी बरतने की जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में तापमान बढ़ने की आशंका है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने जिला के लोगों से गर्मी एवं हीट वेव के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हरियाणा में शुष्क मौसम, तापमान में वृद्धि और लू की स्थित बनी हुई है अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आस पास है। मौसम विभाग ने हीट वेव की चेतावनी भी जारी की है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों से अपील की है कि वे अपने आपको हाइड्रेट रखने के लिए अधिक से अधिक मात्रा में पानी पिएं। धूप में निकलने से बचें, अत्यधिक गर्मी के समय घर के अंदर ही रहें, बाहर जाना है, तो हल्के रंग के, ढीले-ढाले कपड़े पहनकर जाएं और अपने सिर को टोपी, गीले कपड़े या छाते से ढकें। घर में मौजूद बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों पर विशेष ध्यान दें।

सावन ने रजत, मोहित व कुलजीत ने जीते कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रोहतक में हुई जूनियर हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देवराज बॉक्सिंग क्लब के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में क्लब के सात युवा बॉक्सर प्रतिभागी बने, जिनमें से तीन खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर एक रजत व दो कांस्य पदक अपने नाम किए। मुक्केबाज सावन तंवर ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में दमदार पंच जमाते हुए रजत पदक जीता।

सफलता का श्रेय कोच को दिया

इसी वर्ग में मोहित सांगवान ने कांस्य व 54 किलोग्राम भारवर्ग में कुलजीत ने कांस्य पदक हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया। इन सभी खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच नीरज को दिया, जिनके मार्गदर्शन में उन्होंने निरंतर अभ्यास कर ये मुकाम हासिल किया। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर क्लब में खुशी की लहर दौड़ गई। क्लब के निदेशक अजीत फौजी मिर्च, जितेन्द्र पंघाल, मनदीप पंघाल, राकेश पंघाल, दादा नरेश पंघाल, देशमुख हेडमास्टर महावीर, और मास्टर दलीप दुबे ने विजेता खिलाड़ियों और उनके कोच नीरज को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि ये युवा आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाएंगे।

निदेशक अजीत और कोच नीरज ने खिलाड़ियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि भिवानी खेल नगरी के नाम से प्रसिद्ध है और यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

भिवानी। स्टेट चैंपियनशिप में पदक विजेता देवराज बॉक्सिंग क्लब के खिलाड़ी।

पूर्व विधायक ने नवनिर्वाचित पंच व सरपंचों को बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी ने बाढ़ड़ा की सरपंच सरोजनी देवी सहित समस्त नवनिर्वाचित पंचों से मुलाकात कर सर्वसम्मति से चयन पर बधाई दी।

उन्होंने ग्रामीणों के फैसलें को सराहनीय बताते हुए इसे विकास के क्षेत्र में मील का पत्थर बताया। बाढ़ड़ा ग्राम पंचायत का सर्वसम्मति से गठन कर सरोजना देवी को सरपंच व समस्त 18 पंचों को निर्वाचित घोषित किया है। पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढ़ी ने सोमवार को महिला सरपंच सरोजनी को शॉल भेंट कर बधाई दी। समाजसेवी राजेश श्योराण का परिवार गांव में सामाजिक सेवाओं में अग्रणी रहा है और इसीलिए पांच हजार मतदाताओं ने उनकी गैरमौजूदगी में उनके परिवार में से गांव के मुखिया की जिम्मेदारी सौंपकर ऐतिहासिक कदम उठाया है। महिलाओं को आज हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और उनकी अगुवाई में कस्बे के बाधित विकास को नए पंख लगेंगे।

भिवानी। पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी के साथ नवनिर्वाचित महिला सरपंच सरोजना देवी व अन्य पंचायत प्रतिनिधि।

रीजनल सेंटर के गेट पर जड़ा ताला

- युवाओं के लिए निर्धारित एलडीवी की सीटों में फेरबदल किए जाने की सूचना पर बिफरे ग्रामीण, नारेबाजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बहल कस्बे के गांव गोकलपुरा में बन रहे चौ. चरणसिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के रीजनल सेंटर (पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र) में गोकलपुरा गांव के ग्रामीण एचएयू में गांव के युवाओं के लिए निर्धारित एलडीवी की सीटों में फेरबदल किए जाने की सूचना पाकर बिफर गए। ग्रामीणों ने सेंटर के मैन गेट पर ताला जड़ दिया व गेट के आगे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में ग्राम पंचायत की मार्फत तीन जून को ज्ञापन दिया था। पर, विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई। सोमवार को भी उनको इस बारे में जब कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला तो उन्होंने आंदोलन करने का निश्चय किया है। ग्रामीणों ने कहा कि पहले यह निर्णय हुआ था कि गांव के युवाओं को निर्धारित कोटे के तहत पोस्ट ग्रेजुएशन व पीएचडी तक कोटे का लाभ मिलेगा। पर, अब मिली जानकारी के अनुसार, जो युवा बीएससी में लाभ ले लेगा उसे आगे कोटा नहीं मिलेगा।

पशुपालन को बढ़ावा देने को सरकार ने लागू की अनेक योजनाएं: डॉ रविंद्र

लोहारू। पशुपालन विभाग द्वारा नस्ल सुधार तथा पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा चालू वित्त वर्ष के दौरान भेड़ बकरियों को रोग मुक्त करने के लिए भेड़ फॉक्स, पीपी आर,चकरी रोग आदि की वैक्सीन का कार्य किया गया तथा गाय व भैंस आदि पशुओं में बांझपन को दूर करने के लिए वैक्सीनेशन का कार्य किया। लोहारू में जारी प्रेस बयान में पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत ने बताया कि विभाग द्वारा चालू वित्त वर्ष के दौरान लोहारू उपमंडल में 1310 ब्रुसेला वैक्सीन लगाई गई। चार हजार भेड़ों को भेड़ पॉक्स की वैक्सीन लगाई गई। 3600 को पीपीआर तथा पांच हजार को ईटीवी की वैक्सीन लगाई गई तथा 10850 पशुओं को कर्मीरहित किया गया। विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ. राजकुमार बेनीवाल ने बताया कि पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं शुरू की है। सरकार द्वारा सुरभि चयन श्रृंखला योजना शुरू की गई है। योजना के तहत अधिक दूध देने वाली उत्तम नस्ल के पशुओं को प्रोत्साहन दिया जाता है। नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत चालू वर्ष में करीब चार हजार गायों का कृत्रिम गर्भाधान किया गया।

किसान को बहलाकर ली फसल, अब पैसे देने से इंकार कर रहा व्यापारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

- सरकारी खरीद पर बेचने का दिया लालच, बाद में आढ़ती को बेची

मंढ़ोली कलां गांव के एक व्यक्ति ने गांव के किसानों की सरसों की फसल को सरकारी खरीद में बेचने की बात कहकर ले ली पर उसे बाद में अनाज मंडी में आढ़तियों को बेच दी। किसानों के खाते में जब पैसे नहीं आए तो उन्होंने व्यापारी से पैसे मांगे। व्यापारी ने जब पैसे देने में आनाकानी की तो किसानों ने इसकी शिकायत बहल पुलिस में दी। पुलिस ने नामजद व्यापारी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में मंढोली कलां निवासी किसान नरेश व कुलदीप ने बताया कि उन्होंने गांव के ही विकास को सरसों की फसल बहल अनाज मंडी में सरकारी खरीद में उनके द्वारा दर्ज किए गए मेरी फसल मेरा ब्यौरा के अंतर्गत बिक्री करने को कहा था। नरेश ने करकीब 204 क्विंटल व कुलदीप ने करीब 37 क्विंटल सरसों दो गाडियों में भरकर बहल अनाज मंडी में विकास द्वारा बताई गई फर्म पर उतारी थी। किसानों ने कहा कि उक्त व्यक्ति ने उनकी उपज को उनके द्वारा दर्ज मेरी फसल मेरा ब्यौरा के अनुसार न बेचकर आढ़तियों से मिलकर किसी दूसरे किसान के खाते में बिक्री कर दी। जब दूसरे किसानों के खाते में सरसों के पैसे आने लगे तो उन्होंने बहल कमेटी कार्यालय में जाकर पता किया। कार्यालय से पता चला कि उनके पंजीकृत खाते से केवल 45 क्विंटल सरसों की बिक्री हुई है जिसके पैसे उनके खाते में आए है।अब व्यापानी न तो उनसे संपर्क कर रहा है और न हीं उनका फोन उठा रहा है। पुलिस ने किसानों की शिकायत पर नामजद विकास के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शिक्षा विभाग ने डीईओ से मांगी सरकारी भवनों की जानकारी

सरकारी भवनों में खेलेंगे आंगनबाड़ी में पंजीकृत बालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अब आंगनबाड़ी में पंजीकृत बच्चों के लिए खुश खबरी। अब उनको किराए के भवन या धर्मशालाओं में बैठने की जरूरत नहीं है।

अब उन बच्चों को खेल खेल में पढ़ने व खेलने के लिए सरकारी भवन उपलब्ध करवाए जाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि हरेक गांव में इस तरह के भवन उपलब्ध नहीं है, लेकिन जिन गांवों में सरकारी (बंद किए स्कूल या मर्ज हुए स्कूलों के भवन) भवन खाली है। उनमें आंगनबाड़ी में पंजीकृत बच्चों को खेलने व बैठने के लिए जगह दी जाएगी। इस बारे में शिक्षा विभाग के निदेशक ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजकर इस बारे में जानकारी मांगी है। ताकि छुट्टियां खतम होते ही इन बच्चों का सरकारी भवनों में शिफ्ट किया जा सके।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग के निदेशक ने सभी डीईओ को पत्र भेजकर उनके इलाके में कितने ऐसे सरकारी भवन है जो खाली पड़े है। खासकर स्कूलों के भवन। क्योंकि अनेक जगहों पर बच्चों की संख्या कम होने की वजह से या दूसरी जगह के स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया हो या फिर स्कूल को किसी अन्य नए भवन में स्थानातंरित किया गया हो। इस तरह के स्कूलों के भवनों की जानकारी मांगी गई है। विगत में शिक्षा विभाग ने स्कूलों में कम बच्चे या दूसरे स्कूलों में मर्ज होने वाले स्कूलों की सूची तैयार करवाई थी। जिसके तहत अनेक स्कूल ऐसे मिले थे। जिनमें बच्चे कम थे,लेकिन उस स्कूल के पास भवन अच्छा है। इस तरह के स्कूलों के भवनों को शिक्षा विभाग उनमें आंगनबाड़ी चलाने जा रहा है।

आंगनबाड़ी चल रही हैं किराए के भवनों में: यहां यह बताते चले कि अनेक गांव व शहर में आंगनबाड़ी सरकारी भवनों की बजाए निजी भवनों में चल रही है। जिसका सरकार पर किराए का भी अच्छा खासा वजन पड़ रहा है। जो स्कूलों के भवन खाली हुए है। वे अभी खाली है। उनका प्रयोग बच्चों को बैठाने में नहीं किया जा रहा है। इस तरह के स्कूलों की सूची मांगी गई है। ताकि इन स्कूलों के भवनों में आंगनबाड़ी के बच्चों को बैठाया जा सके। साथ में इन खाली पड़े सरकारी भवनों का प्रयोग भी हो सके और सरकार को आंगनबाड़ी के लिए जिन भवनों का किराया दिया जा रहा है। उससे भी छुटकारा मिल सके।

सीबीएलयू करवाएंगी बीए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन कोर्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- मीडिया एवं इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स से पढ़ सकेंगे विद्यार्थी: प्रो. दीप्ति

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी के निर्देशन एवं कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा की देखरेख में स्वर्ण जयंती यूनिवर्सिटी कॉलेज ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत कई पाठ्यक्रमों को तैयार किया है, उन्हीं में से एक है पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में स्नातक हैं। इस कोर्स में नए शैक्षणिक सत्र से मीडिया एवं संचार की जरूरतों और उसमें रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए चार वर्षीय बीए जर्नलिजम एंड मास कम्युनिकेशन डिग्री कोर्स शुरू किया है। जैसा कि भिवानी और दादरी क्षेत्र में जर्नलिजम विषय में अभी तक बीए नहीं था तो इसी बात को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के विद्यार्थियों को इस कोर्स को करने के लिए बाहर जाकर मोटी फीस न देनी पड़े और कोर्स के बाद विद्यार्थियों को रोजगार मिल सके।

सीबीएलयू से कई मीडिया समूहों को जोड़ा जाएगा और मीडिया उद्योग के विद्वान विद्यार्थियों को अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान देंगे, जिससे इन विद्यार्थियों को अच्छी जगह प्लेसमेंट मिल सके।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

रोहतक, मंगलवार
10 जून 2025

10

फादर्स-डे, 15 जून स्पेशल

नए दौर के केयरिंग-लविंग पापा

वह दौर गया जब परिवार में पिता की बहुत सख्त छवि हुआ करती थी। बच्चों की परवरिश पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देते थे, यह जिम्मेदारी मां की होती थी। आज के पापा अपने बच्चों की जिम्मेदारी बहुत खूबसूरती ने निभा रहे हैं। वे अपनी पारंपरिक छवि से बाहर आकर एक संवेदनशील गाइड के रूप में दिख रहे हैं। आज के पापा अपने बच्चों की भावनात्मक जरूरतों को समझते हैं। आज के केयरिंग पापा, बच्चों के करियर के प्रति भी कॉन्शस हैं। वह उनके सर्वांगीण विकास में अपना अहम योगदान दे रहे हैं।

कवर स्टोरी
नयनतारा

आज के समय में पिता की पारंपरिक भूमिकाएं कुछ दशकों पहले के मुकाबले बहुत बदल गई हैं। आज के पिता अपने बच्चों के केवल पालक या उन्हें अनुशासन में रखने वाले भर नहीं, अपने बच्चों के जीवन में भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने वाले और मजबूत बनाने वाले मेंटर हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज के पिता अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा ही नहीं कर रहे, उनका व्यक्तित्व निर्माण भी कर रहे हैं।

पारंपरिक जिम्मेदारियों से बहुत आगे : कुछ दशक पहले तक जहां पिता का काम मुख्य रूप से परिवार का पालन-पोषण और उसे आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होता था, वह काम तो आज भी पिता के जिम्मे है, लेकिन अब उनकी भूमिकाएं इस पारंपरिक जिम्मेदारी से काफी हद तक आगे बढ़ चुकी हैं। आज के पापा अपने बच्चों के स्कूल प्रोजेक्ट में हेल्प करते हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई का ध्यान रखते हैं, इस पर अपना जरूरी दखल देते हैं, पैरेंट्स टीचर मीटिंग में शामिल होते हैं, बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य से लेकर उनके मानसिक स्वास्थ्य तक की परवाह करते हैं।

एक संवेदनशील गाइड का रोल: आज के पापा अपने बच्चों के पालन-पोषण के साथ उनके सर्वांगीण विकास में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। इस वर्ष 15 जून को मनाए जाने वाले फादर्स-डे की इस साल थीम भी कमोबेश यही है। इस साल की थीम, 'फादर्सः नर्चरिंग रिलेशन एंड टैपिंग फ्यूचर' यानी बच्चों का लचीलेपन के साथ पोषण करते हुए उनके भविष्य को आकार देना है। अगर कहा जाए कि इस थीम को भारत के

महानगरों में ही नहीं बल्कि छोटे और मझोले शहरों में भी पहले से ही, आज के पापाओं ने अपना लिया है, तो इसमें कोई दो राय नहीं होगी। मसलन, आज के पिता पारंपरिक पिताओं की तरह घर में अनुशासन सिखाने वाले वट वृक्ष नहीं हैं, उनकी भूमिका एक संवेदनशील गाइड के रूप में उभर रही है। जबकि कुछ दशक पहले तक हमारे पारंपरिक पिता कठोर अनुशासन के प्रतीक हुआ करते थे। आज के पापा अपने बच्चों की भावनाओं को सुनते हैं, उनसे खुले रूप में संवाद करते हैं और उनकी पसंद-नापसंद पर ध्यान देते हैं। इन सबके साथ ही आज के पापा बच्चों की भौतिक के साथ-साथ भावनात्मक जरूरतों को भी समझते हैं।

घरेलू कामों में सक्रिय भागीदारी

बीते दौर में पिता अपनी भूमिकाओं को घर के बाहर के कामों तक ही सीमित रखते थे, जबकि आज के पिता घरेलू कामों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे खाना बना रहे हैं, बच्चों को मांओं की तरह लिखा-पढ़ा रहे हैं, उन्हें स्कूल जाने के लिए तैयार कर रहे हैं, कई बार स्कूल छोड़ने और लाने भी जाते हैं। आज के पापा ये काम हंसी-खुशी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, आज के दौर के पापा घर के किसी विशेष आयोजन में साफ-सफाई से लेकर किचन तक की भूमिकाओं में सहयोग करने को तत्पर रहते हैं। अब पापा पहले जैसे घर के बाहर ही काम करने वाले नहीं रहे।

बच्चों के करियर के प्रति कॉन्शसः आज के पापा बच्चों के करियर पर भी ध्यान देते हैं, उनकी पसंद-नापसंद यानी उनकी हॉबी को विकसित करने में, उनमें उसे विशेष पारंगत बनाने में भी जो संभव भूमिका होती है, उसे निभाते हैं। यही नहीं वे बच्चों की आत्मनिर्भरता को गंभीरता से लेते हैं। पहले के पिता बच्चों पर अकसर अपने सपने थोप देते थे, जबकि आज के पिता अपने बच्चों के सपनों को महत्व देते हैं। अगर उनके बच्चे पारंपरिक करियर से हटकर किसी ऐसे करियर में रुचि दर्शाते हैं, जो अभी तक बहुत सफल और स्पष्ट नहीं, तो आज के पिता उनके इस जोखिम पर भी साथ खड़े होने की हिम्मत दिखाते हैं।

नई तकनीक सीखने में कोई हिचक नहीं: आज के पापा अब डिजिटल दुनिया में बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की कोशिश करते हैं। जबकि कुछ दशक पहले तक बच्चे और उनके पिता तकनीक के मामले में अलग-अलग दौर में जीते थे। कुछ दशक पहले तक पिता बड़ी आसानी से यह बात स्वीकार कर लेते थे कि नए जमाने की तकनीक से उनका क्या लेना-देना है? यह बच्चों की जरूरत है, उन्हें ही इसकी जानकारी रखनी चाहिए। जबकि आज के पापा न सिर्फ नए जमाने की तकनीक पर दिलचस्पी लेते हैं बल्कि वे इस पर दक्षता भी हासिल करते हैं ताकि अपने बच्चों को भी इसमें दक्ष बना सकें या उनके साथ उनके स्तर पर बर्ताव कर सकें। यही कारण है कि सोशल मीडिया, गेम्स और इंटरनेट से जुड़ी आज की अभिरुचियां बच्चों और उनके पापाओं में किसी हद तक साझी हो चली हैं। आज के पापा अपने बच्चों को रिस्पॉन्सिबल डिजिटल सिटीजन बनने में उनको अपनी गाइडेंस देते हैं।

को-पैरेंटिंग में यकीनः आज के पिता पालन-पोषण को सिर्फ बच्चों की मांओं की जिम्मेदारी नहीं समझते बल्कि को-पैरेंटिंग के विचार पर यकीन रखते हैं। इसलिए आज माता-पिता दोनों मिलकर बच्चों की जिम्मेदारी उठाते हैं। यही कारण है कि पिता अब समान रूप से एक जिम्मेदार अभिभावक बन चुके हैं। विशेष रूप से सिंगल फादर या स्टे एट होम डैड की संज्ञा दिनों दिन बढ़ रही है। इसलिए माना जाता है कि भारत में पिता की भूमिकाएं कुछ दशक पहले तक के पिता की भूमिकाओं से काफी हद तक बदल गई हैं।

पापा और बच्चे दोनों जाहिर कर रहे हैं अपनी फीलिंग्सः भारत में पिताओं के स्वभाव और उनकी इस सोच में परिवर्तन लाने में किसी हद तक फादर्स-डे की भी अपनी भूमिका है। हालांकि पश्चिम की तरह भारत में फादर्स-डे कोई त्योहार नहीं है, लेकिन यह मानने में कतई गुरेज नहीं करना चाहिए कि आज के शहरी भारत में फादर्स-डे जैसे स्पेशल डे की अपनी एक संवेदनशीलता है। यही वजह है कि हमारी पारंपरिक संस्कृति में फादर्स-डे न होते हुए भी आज के भारत में यह बड़ी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। बच्चे आजकल फदर्स-डे का बड़े उत्साह के साथ इंतजार करते हैं। हमारे देश के बच्चे भी पश्चिमी देशों के बच्चों की तरह अपने पापाओं को इस दिन कार्ड देते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से संदेश देते हैं, शुभकामनाएं देते हैं और पापाओं के प्रति अपने प्रेम-स्नेह को प्रकट करते हैं। जबकि पहले हमारे यहां का चलन यह था कि न तो पिता, इस बात को जाहिर होने देते थे कि वे अपने बच्चों को बहुत प्यार करते हैं और न ही बच्चे सार्वजनिक रूप से यह दिखाते थे कि वे अपने पिता का बहुत आदर-सम्मान करते हैं।

फादर्स-डे की उपयोगिताः पिछले एक-दो दशक में सिर्फ शहरी भारत की लाइफस्टाइल ही तेजी से नहीं बदली, बल्कि समग्रता में बहुत-सी नई और अनुकरणीय पश्चिमी बातों को भी हमारा शहरी समाज खुले दिल से स्वीकार कर रहा है। यही कारण है कि अब फादर्स-डे एक सम्माननीय दिन बन चुका है और यह हमारे बच्चों के समग्र विकास के लिए बहुत लाभकारी भी साबित हुआ है।

बहुत अनमोल होता है, पिता-बेटी का रिश्ता। जहां बेटी के लिए पिता शीतल छाया, उसके जीने की राह होते हैं, वहीं लाडली बेटियां भी अपने पिता की मुस्कान, अभिमान होती हैं। पिता के लिए बेटियां ईश्वर की सबसे बड़ी नियामत, उनके जीवन की सुगंध होती हैं। पिता-बेटी के प्यारे-सलोने रिश्ते को रेखांकित करता आलेख।

बहुत प्यारा-न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता

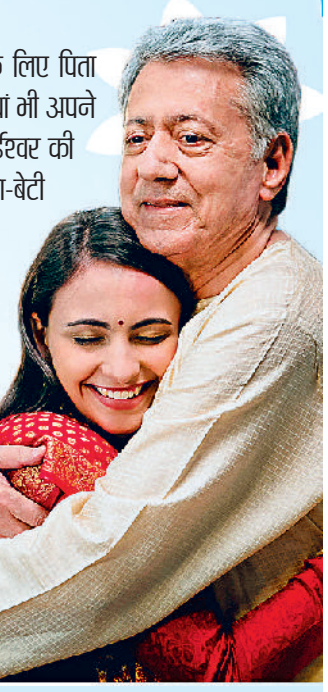

मीने-मीठे एहसास
श्रुति आयंगर

बहुत प्यारा, बहुत न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, बस एहसास किया जा सकता है। जब पहली बार नन्ही-सी परी अपने पिता की गोद में आती है, तो एक नासमझ-सा युवा अचानक बहुत समझदार-जिम्मेदार हो जाता है। जब वह अपनी नन्ही बिटिया को गोद में लेता है तो उसे इस बात का बोध होता है, जिंदगी के हर मोड़ पर उसे अपनी गुड़िया के साथ खड़े रहना है, साथ निभाना है। उसकी हर खुशी का ख्याल रखना है। हर लड़की अपने पापा की प्यारी-प्रिंसेस होती है। पिता-बेटी के अनमोल रिश्तों के एक नहीं कई पहलू हैं।

बहुत अलग है केमिस्ट्री-बॉन्डिंगः पिता-बेटी के बीच ऐसी खूबसूरत केमिस्ट्री-बॉन्डिंग होती है, जिसे और कोई नहीं समझ सकता है, बस वे दोनों ही समझ सकते हैं। एक बेटी अपने पिता की बात जितनी जल्दी जान पाती है, उतना दूसरा कोई नहीं। तभी तो सब कहते हैं कि पापा के दिल के सबसे करीब होती है उनकी प्यारी बिटिया। हर लड़की अपने पिता की छत्रछाया में खुद को सुरक्षित महसूस करती है।

पापा हैं सुपरमैनः हर बेटी की नजरों में उसके पापा किसी सुपरमैन से कम नहीं होते। उनके पास हर मुश्किल का जादुई हल होते हैं। चाहे वो टूटे खिलौने को जोड़ना हो या फिर बिटिया का बिगड़ा मूड ठीक करना हो या मम्मा की डांट से बचाना हो या मम्मी से छुपाकर बेटी को अपनी फेवरेट चॉकलेट, आइसक्रीम खाना हो, पापा इन सभी कामों को मजे से अंजाम देते हैं। पापा ऑफिस के तनाव में भी अपनी गुड़िया की बातें सुनते हैं, उसकी हर शरारत में उसके साथी बन जाते हैं। अपनी बेटी की मुस्कान उनके लिए सबसे बड़ी नियामत होती है। बेटी के लिए पापा सब कुछ करने को तैयार रहते हैं। उसकी हर एक फरमाइश को पूरा करते हैं। यही तो होता है-रियल सुपरमैन। जब नन्ही बिटिया के गिरने पर उसे चोट लगती है, तो वह यही सोचती है, 'डोंट वरी, पापा हैं ना, फूंक मार देंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।' और वाकई पापा के ऐसा करने पर बिटिया अपनी चोट भूल जाती है, दर्द उड़न-छू हो जाता है।

बेस्ट फ्रेंड होते हैं पापाः बेटी जब धीरे-धीरे बड़ी होती है, पापा उसके लिए सिर्फ पिता नहीं होते, बेस्ट फ्रेंड हो जाते हैं। जब तब आराम से बैठकर घंटों बातें करते हैं, स्कूल-कॉलेज के किस्से सुनते हैं। अपने डर और सपने बताना है या या कोई खुशी या दुख जाहिर करना है, ये सब बातें बेटियां बेझिझक अपने पापा से ही शेयर करती हैं। उनका सच्चा बेस्ट फ्रेंड अगर कोई है तो वो पापा ही होते हैं। वे ऐसे फ्रेंड होते हैं, जो ना जज करते हैं, ना नाराज होते हैं, ना कभी धोखा देते हैं। पापा अपनी बेटी के मन की बातें बिना कहे की समझ जाते हैं।

प्रेरणास्रोत हैं पापाः बचपन में जब बेटी चलना सीखती है, तो पापा उसकी अंगुली थामे रहते हैं, चलना सिखाते हैं। फिर पूरी जिंदगी यही अंगुली राह दिखाती है- कभी सलाह बनकर तो कभी हौसला बढ़ाकर। बेटी के लिए पापा सिर्फ एक अभिभावक नहीं होते, उसके सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत होते हैं, जो उसे कभी हार नहीं मानने देते हैं। अपनी लाडली की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं पापा।

सच्चा और अटूट रिश्ता

पिता-बेटी का रिश्ता वक्त के साथ कभी बदलता नहीं है, पिता-बेटी का रिश्ता शब्दों का भी मोहताज नहीं होता है। बचपन में बेटी की पहली मुस्कान से लेकर उसके हर सपने तक, विदाई तक, पापा हर मोड़ पर उसके साथ रहते हैं। वक्त गुजरता है, बेटी बड़ी हो जाती है, जिम्मेदारियां बदल जाती हैं- पर पिता का प्यार उसकी परवाह और उसका रिश्ता वैसा का वैसा रहता है, हमेशा एक जैसा, सच्चा और अटूट।

बॉन्डिंग
अलका 'सोनी'

मां के प्यार को तो अकसर शब्द, स्पर्श और आंसुओं में ढूंढ़ लिया जाता है, लेकिन पिता का प्यार, अकसर मौन होता है, गहरा होता है और छुपा होता है। वह प्यार जो न लोरी बनता है, न गले लगकर बहता है, लेकिन अपनी संतान की हर छोटी-बड़ी जरूरत को पूरा करने के लिए हमेशा उपस्थित होता है। सच, हम सबके पापा ऐसे ही होते हैं, जो जताते नहीं, फिर भी सबसे अधिक प्यार करते हैं।

मां का प्यार तो खिली धूप जैसा प्रकट दिखता है, महसूस होता है, जबकि पिता का प्यार शीतल छाया की तरह हमेशा पास होकर भी अदृश्य रहता है। लेकिन कठिन समय में वही छाया संतान के लिए सुरक्षा कवच बन जाती है।

प्यार तो करते हैं पर जताते नहीं पापा

प्रतीकों में प्रकट होता प्यार

पिता अपनी भावनाओं को शब्दों से नहीं, प्रायः प्रतीकों में और मौन गतिविधियों से व्यक्त करते हैं। सर्दी की ठिठुरती रात में वे आधी रात को अकसर उठकर चुपचाप आपको कंबल ठीक से ओढ़ा जाते हैं। आपके बीमार होने पर जब तक आपको नींद नहीं आ जाती बेचैनी से चहलकदमी करते रहते हैं या आपके सिरहाने बैठ जाते हैं। आपके कॉलेज ट्रिप पर जाने की सूचना मिलने पर आपसे डायरेक्ट नहीं लेकिन मां के जरिए आपको कुछ एक्सट्रा पैसे दिलवाते हैं

कि उनकी बिटिया को सफर में कोई परेशानी न हो। ऐसा वो और बहुत कुछ करते रहे हैं और जब भी मौका मिलता है, आज भी करते हैं।

याद करें वो लम्हे

अगर याद करें तो अतीत में बिताए ऐसे कई लम्हे याद आ जाएंगे, जब पिता हमारे आस-पास रहकर चुपचाप हमारी केयर करते थे। जब आप पहली बार साइकिल चलाना सीखने की कोशिश में बार-बार गिर रही थीं, तब पापा ने ही साइकिल को पीछे से पकड़कर आपको संतुलित होना सिखाया था। लेकिन कभी जताया नहीं कि वह इस बात को लेकर कितना चिंतित रहते थे कि कहीं गिरकर आपको चोट न लग जाए। या स्कूल का वो पहला दिन, जब मां ने तो आंखें पोंछकर आपको विदा किया था लेकिन पापा स्कूल के गेट के पीछे से आपको तब तक देखते रहे थे, जब तक आप क्लासरूम में नहीं चली गई थीं। यह भी याद आएगा आपको कि जब किसी प्रतियोगिता में आप हारकर निराश हो गई थीं, तब पापा ने पीठ थपथपा कर कहा था, 'बेटा, कोशिश करना मत छोड़ना। तुम जरूर जीतोगी।' आपका तो हौसला बढ़ा दिया लेकिन आपकी निराशा को अपने भीतर लेकर कई दिन अनमने से बिताए थे।

जिम्मेदारियों तले दबा स्नेह

कई बार शांत दिखते समंदर के भीतर लहरों की हलचल भरी रहती है। ठीक उसी तरह ऊपर से चुप्पी साधे पिता के मन में भी हमारे लिए आगाध चिंता और प्यार छिपा होता है। जरूरत होती है बस, उस भाषा को समझने की। वास्तव में पिता की बेशुमार जिम्मेदारियां ही होती हैं, जो उनको बाहरी रूप से कठोर बना देती हैं। वे हमारी चिंता करते हैं, भविष्य बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की सोचते हैं, लेकिन बिना किसी को प्रकट किए। ऐसा इसलिए कि शायद उन्हें लगता है कि उनका भावुक होना, उनके बच्चे को कमजोर कर देगा। वास्तव में उन्हें एहसास होता है कि उनकी छाया में उनके बच्चे हर तपिश से सुरक्षित हैं। इसीलिए वे अपने हर त्याग को हंसते हुए छुपा लेते हैं। सच, पिता बनने के बाद उनका जीवन अपनी संतान को ही समर्पित हो जाता है।

डाइट सजेशन
ललिता गोयल

अपनाएं सही डाइट प्लान बढ़ती एज में पापा रहेंगे हेल्दी

हर बेटी चाहती है कि उसके पिता का साया उसके सिर पर हमेशा बना रहे, उसके पिता हमेशा हेल्दी और फिट रहें। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ हेल्दी और फिट रहने के लिए अन्य बातों के अलावा जरूरत होती है सही डाइट प्लान फॉलो करने की।

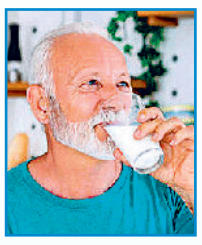

लो फैट फूड्सः उम्र बढ़ने के साथ पाचन क्रिया धीमी पड़ने लगती है। ऐसे में शरीर को फैट पचाने में कठिनाई होने लगती है। साथ ही हाई फैट वाली चीजों को खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और दिल की बीमारियों का रिस्क भी बढ़ता है। इसके अलावा इससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए बेटियां ध्यान रखें कि उम्र बढ़ने के साथ उनके पिता लो फैट वाले फूड्स का ही सेवन करें।

प्रोटीन है जरूरीः डाइट में प्रोटीन का होना बेहद जरूरी होता है। दरअसल, 50 से 60 की उम्र के बीच मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसी वजह से हाथ-पैर में दर्द, हड्डियों से जुड़ी बीमारियां होने लगती हैं। इसलिए इन तमाम परेशानियों से बचे रहने के लिए डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड्स जैसे सोया मिल्क, टोफू, दूध, दही, पनीर और कुछ ड्राई फ्रूट्स शामिल करने चाहिए। आपकी पहली प्राथमिकता प्लांट बेस्ड प्रोटीन की होनी चाहिए, इसके अलावा मीट, चिकन, अंडे, फिश और सूखे मेवे का सेवन भी करवाया जा सकता है।

ओमेगा 3 फैटी एसिडः अपने पापा को ब्रोकली, कैबेज, हरी पत्तेदार सब्जियां, अखरोट, स्प्राउट्स, ग्रीन टी, बेरीज आदि का सेवन जरूर कराना चाहिए। इन सभी में ओमेगा 3 फैटी एसिड भी होता है, जो दिल की बीमारियों और कैंसर से बचाव करने में भी मदद करता है। ओमेगा 3 फैटी एसिड के सेवन से आंखें स्वस्थ रहती हैं। साथ ही यह अल्जाइमर यानी कि भूलने की बीमारी, इनसोमनिया (नींद ना आना), चिंता और अवसाद जैसे कई मानसिक रोगों से भी बचाता है।

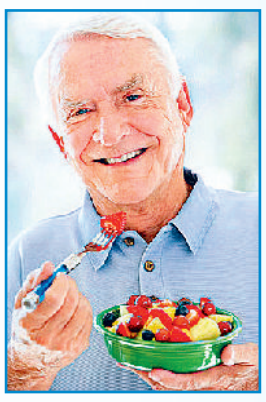

फाइबर है जरूरीः बढ़ती उम्र में आपको अपने पापा की डाइट में ऐसी सब्जी और फलों को शामिल करना होगा, जिनमें प्रचुर मात्रा में फाइबर मौजूद हो। फाइबर के जरिए ही कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड प्रेशर को संतुलित रखा जा सकता है।

विटामिन और कैल्शियमः बढ़ती उम्र के लोगों में हड्डियों को हेल्दी रखने के लिए कैल्शियम, और विटामिन डी की आवश्यकता होती है। कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों जैसे दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां, मछली आदि का सेवन पापा को करवाएं। विटामिन डी के स्रोतों में फैटी मछली, जैसे सैल्मन और अंडे आदि का सेवन करने को कहें।

(डाइटिशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

केयर
रजनी अरोड़ा

एकाकी पिता को दें अपने प्यार-स्नेह का संबल

याद कीजिए, बचपन या किशोरावस्था में जब कभी आप किसी बात पर रूठ जाती थीं तो पापा ही सबसे पहले मनाने आते थे। आपको कभी अकेले या गुमसुम नहीं रहने देते थे। तो अब वृद्धावस्था में अगर वे अपने आपको एकाकी महसूस करते हैं तो आपको उन्हें अपने प्यार-स्नेह का संबल जरूर देना चाहिए।

एक मजबूत और जिम्मेदार इंसान के तौर पर जिंदगी के हर मोड़ पर बच्चों की अच्छी परवरिश और कामयाब इंसान बनाने के लिए पिता सशक्त स्तंभ की भूमिका निभाते हैं। लेकिन ढलती उम्र में एक ओर जहां वे रिटायरमेंट के बाद खालीपन के फेज से गुजर रहे होते हैं, तो इसके साथ ही बच्चों के उच्च शिक्षा या करियर के लिए देश-विदेश बस जाने या फिर जीवनसंगिनी के साथ छोड़ जाने का दर्द भी उन्हें झेलना पड़ता है। ऐसे में कई बार एकाकी जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं।

एकाकीपन के कारणः सेवानिवृत्ति के बाद बढ़ती उम्र में एकाकीपन के कई कारण हो सकते हैं। पार्टनर के साथ छोड़ जाने का दुख, गतिशीलता में कमी और कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ब्रेन की फ्लेक्सिबिलिटी यानी न्यूरोप्लास्टिसिटी कम हो जाती है, जिससे डिमेंशिया, अल्जाइमर जैसी समस्याएं होने लगती हैं। सामाजिक सहभागिता कम होने और भावनात्मक अभिव्यक्ति न कर पाने की वजह से वो निराशा या कई तरह के मनोविकारों से घिर जाते हैं और खुद को अकेलेपन में समेट लेते हैं।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लो की नीड थ्योरी के अनुसार, इंसान को सिर्फ मूलभूत शारीरिक जरूरतें ही नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी, आत्मसम्मान और संबंधों में आत्मीयता, सहभागिता की भी जरूरत होती है। अकेले रह रहे पिता इन जरूरतों को और गहराई से महसूस करने लगते हैं। जब ये जरूरतें पूरी नहीं होतीं, यानी बच्चे उनके साथ संपर्क बनाकर नहीं रखते, तो मेंटल हेल्थ प्रभावित होती है।

बेटी से होता है ज्यादा जुड़ावः वैज्ञानिक मानते हैं कि बेटियां अपने पिता के साथ भावनात्मक रूप से अधिक जुड़ी होती हैं। एमोरी यूनिवर्सिटी, अमेरिका की एक रिसर्च के अनुसार बेटियां भावनात्मक रूप से ज्यादा संवेदनशील और केयरिंग होती है। बेटियां पिता की भावनाओं, मूड और व्यवहार को बेहतर समझती हैं। उनकी बातों को इत्मीनान से सुनकर रिस्पोंड करती हैं और इमोशनल बॉन्डिंग बना लेती हैं। पिता भावनात्मक सुरक्षा और अपनापन मिलने की वजह से बेटों की तुलना में बेटियों से ज्यादा जुड़ते हैं, अधिक सहज महसूस करते हैं। बेटियों के चेहरे के हाव-भाव और आवाज के उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से समझते हैं और अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे में बेटियों को चाहिए कि वे अपने पिता को भरपूर समय और स्नेह दें। इससे पिता का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दरअसल, हम सभी का एक इमोशनल कंफर्ट जोन होता है और वो जिंदगी की हर स्टेज में महत्वपूर्ण रोल निभाता है। बेटी और पिता में यह बहुत मजबूत संबंध होता है, जो उम्र बढ़ने के साथ बढ़ता रहता है। बस जरूरी है, बेटी को हर स्थिति में अपने पिता से जुड़े रहना। बेटी चाहे दूर हो या पास, पिता का ख्याल रखने, उनकी जरूरतों को पूरा करने का भरसक प्रयत्न करते रहना चाहिए।

हॉबी से जोड़ें: पापा के अकेलेपन को दूर करने के लिए गौर करें कि अगर पिता को गार्डनिंग, पेंटिंग, रीडिंग का शौक है तो आपको उन्हें अपनी हॉबी को पूरा करने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। इसके लिए उन्हें उनकी रुचि की नई किताबें भेंट दे सकती हैं ताकि वे बोरियत महसूस न करें। या फिर किसी खास दिन पर पिता को सरप्राइजिंग गिफ्ट भी दे सकती हैं। निश्चय ही इससे उन्हें असीम खुशी का एहसास होगा।

(ब्रिटिश यूनि. बहरीन में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

गांव बुशान के स्टेडियम में प्रतियोगिता का आयोजन

भिवानी। तीसरी आरके सिंह मेमोरियल एथलेटिक्स प्रतियोगिता (शिव नरेश स्पोर्ट्स नई दिल्ली) का आयोजन 6 व 7 जून को चौधरी खेमचन्द स्टेडियम बुशान में आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन छह जून को डेरा बुसान के बाबा पूर्णनाथ महंत ने किया तथा समापन सात जून को किया गया। महंत पूर्णनाथ ने विजेता एथलीट को पुरस्कार वितरित किए। चौधरी खेमचन्द स्टेडियम के इंचार्ज पूर्व डीएसओ जयसिंह कालीरामन ने बताया कि प्रतियोगिता में 150 लड़के-लड़कियों ने भाग लिया।

ग्राम दर्शन पोर्टल सरकार की व्यापक पहलः डीसी

चरखी दादरी। ग्रामीण अंचल के निवासी अब सरकार को विकास कार्यों संबंधी मांग, शिकायत और सुझाव सीधे ऑनलाइन माध्यम से दे सकेंगे। हरियाणा सरकार द्वारा इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि ग्राम दर्शन पोर्टल सरकार की एक व्यापक, सहभागी, पारदर्शी और जवाबदेह पहल है। इसका उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों, सरकार और ग्रामीण निवासियों के बीच संबंध स्थापित करना है। यह पोर्टल ग्रामीणों को अपनी मांग, शिकायत व सुझाव देने का एक सुविधाजनक एवं सरल माध्यम है। इस पोर्टल पर ग्रामीणों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर भविष्य की विकास योजनाओं का खाका तैयार किया।

कार्तिक इलेवन ने विदित इलेवन को हराया

भिवानी। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 12 वर्ष से कम आयु वर्ग में आयोजित जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में कार्तिक इलेवन ने विदित इलेवन को पांच विकेट से हराया। अंडर 12 में विदित एलेवन के कप्तान विदित ने टॉस जीकर पहले बल्लेबाजी की। विदित इलेवन टीम ने 20 ऑवर में 5 विकेट पर 132 रन बनाए। विदित इलेवन की तरफ से हृदय ने 43, विदित ने 17, दीपक खन्ना ने 30 रन व शेखर ने 15 रन बनाए। तिंक इलेवन की तरफ से आरव भारद्वाज ने 4 ऑवर में 30 रन देकर दो विकेट ली। लक्ष्य व दक्ष ने एक-एक विकेट ली।

संस्कार भारती की भिवानी इकाई ने की बैठक

भिवानी। डोबी ताला के नजदीक स्थित गीता भवन के विवेकानंद छात्रावास में संस्कार भारती की भिवानी इकाई की बैठक हुई। संस्कार भारती के मीडिया प्रभारी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि बैठक के दौरान संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इसके अलावा भिवानी इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन, जो पिछले दिनों किया गया था, जिसकी घोषणा विधिवत रूप से इकाई के विभाग संयोजक शिवकुमार चित्रकार एवं इकाई प्रभारी दिनेश दाधीच की उपस्थिति में की गई। इस मौके पर नवनियुक्त कार्यकारिणी व उपस्थित सभी सदस्यों ने भिवानी इकाई को और अधिक सशक्त करने तथा मिल-जुलकर नए आयाम स्थापित करने का संकल्प दोहराया।

राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

ईसाई समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा व अत्याचारों के विरोध में किया प्रदर्शन

भिवानी। ईसाई समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा एवं अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन क्रिश्चियन मोर्चा के सदस्य व बढ़ती हिंसा एवं अत्याचार के विरोध में ज्ञापन सौंपते क्रिश्चियन मोर्चा के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

मौलिक अधिकारों के खिलाफ ईसाई समुदाय को किया जा रहा प्रताड़ित: पास्टर सुनीता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

देश में ईसाई समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा एवं अत्याचारों के विरोध तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा ने सोमवार को शहर में प्रदर्शन कर उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम मांगपत्र सौंपा। मोर्चा की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष पास्टर सुनीता व प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र भोला ने कहा कि ईसाई समुदाय ने देश में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा व सामाजिक कल्याण में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए लंबे समय से योगदान दिया है। इसके बावजूद समुदाय के विशेषकर अनुसूचित जाति से जुड़े लोगों के खिलाफ बढ़ती हिंसा, समुदाय व लोकतंत्र को परिभाषित करने वाली बहुलतावाद दोनों को खतरे में डाल रही है। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ की आबादी में ईसाई समुदाय की संख्या 2.3 प्रतिशत है, जिन्होंने हमेशा देश में संविधान, देशभक्ति, बंधुत्व, समानता व स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखा, इसके बावजूद भी कुछ लोग मौलिक अधिकारों के खिलाफ जाकर इस समुदाय के लोगों को बेवजह प्रताड़ित करने का काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि यूनाईटेड क्रिश्चियन फोरम के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में हिंसा और प्रताड़ना की 834 घटनाएं दर्ज हुई, जो वर्ष 2023 में 734 से अधिक थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ईसाई समुदाय के खिलाफ शत्रुता एवं हिंसा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्र के असहिष्णु दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी संगठन रहे है। मांगपत्र के माध्यम से उन्होंने मांग की कि सभी हिंसा की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर आरोपियों को जवाबदेह ठहराया जाए। धार्मिक, स्वतंत्रता अधिनियमों की समीक्षा कर उनके दुरूपयोग पर रोक लगाई जाए, राज्य सरकारों को धार्मिक समानता और स्वतंत्रता को बनाए रखने के निर्देश दिए जाए, अनुसूचित जाति के ईसाई आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में तेजी लाई जाए, शिकायत निवारण और संवाद के लिए आस्था आधारित राष्ट्रीय आयोग की स्थापना की जाए, अल्पसंख्यक सुरक्षा पर पुलिस और सरकारी अधिकारियों के लिए अधिकार आधारित प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए।

राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा ने एक जुलाई को प्रदर्शन की करने की दी चेतावनी

मोर्चा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि ईसाई समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा की घटनाओं पर रोक नहीं लगाई तो एक जुलाई को राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक, वामसेफ, भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम के नेतृत्व में भारत बंद के तहत प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर जयकुमार, सतपाल थौमा, मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश दहिया, अनिल नाथुवास, रामकुमार, मोर्चा के जिला संयोजक राजीव सैनी, सज्जन सिंह, रामपाल मेहरा, विक्रम, ममता, जयभगवान, गणेशीलाल वर्मा, दीया, पुष्पा, सुमन, शकुंतला, किरण, सतेंद्र पपोसा, सुदेश, पूनम, रजनी, लीना, मंजू, निहार, बबली, मनीष व सागर आदि मौजूद रहे।

भिवानी। सांग महोत्सव में कलाकारों को सम्मानित करते आयोजक।

तीसरे दिन जैमल फत्ते सांग का किया मंचन

- लोक कवियों ने इतिहास एवं संस्कृति की जीवंत झलक रखी जिंदा: हनुमान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव उमरावत के दादा लखमीचंद सांस्कृतिक भवन में म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के स्थापना दिवस एवं महान सांगी पंडित जयनारायण शर्मा की याद में 11 दिवसीय सांग महोत्सव के तीसरे दिन सांग महोत्सव का आयोजन किया। महोत्सव संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के मुख्यतिथि नवनीत भारद्वाज की गरिमामयी उपस्थिति रही। सोमवार को कवि शिरोमणी दादा मांगेराम द्वारा रचित सांग जैमल फत्ते सांग का मंचन सोमनाथ त्यागी ने किया। सांग के आरंभ होते ही पूरा माहौल वीर रस एवं हरियाणवी संस्कृति की जीवंत झांकी में बदल गया। दादा मांगेराम के ओज गुण से भरपूर सांग से भावनात्मक अभिव्यक्ति ने बुजुर्गो एवं युवाओं को प्रेरणा से भर दिया। संगठन के अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने कहा कि हमारी लोक कवियों ने इतिहास एवं संस्कृति की जीवंत झलक आज भी जिंदा रखी हैं, बस उन्हें मंच देकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि हरियाणा की आने वाली पीढ़ियां अपनी विरासत से रूबरू हो सकें। इस अवसर आश्रम निर्माण कमेटी अध्यक्ष सरपंच दिनेश कौशिक, अशोक मरीची, घनश्याम भांजा, रामफल धारेडू, अनुशासन कमेटी अध्यक्ष नारायण, जयप्रकाश थानेदार आदि मौजूद रहे।

गौरवशाली परम्परा

संगठन के प्रवक्ता रामधन शास्त्री ने कहा कि दादा मांगेराम द्वारा रचित और प्रस्तुत सांग जैमल फत्ते ना केवल एक मनोरंजक सांस्कृतिक कथा है, बल्कि यह हमारी गौरवशाली परम्परा रही और लोक कवियों के माध्यम से गौरवशाली इतिहास का प्रदर्शन भी था। जैमल फत्ते चितौड़ के किले की रक्षा के लिए अकबर जैसे मुगल शासक से भी युद्ध करते है, ऐसे आयोजनों से हरियाणवी संस्कृति एवं सांग की समृद्धशाली परंपरा का ज्ञान होता है।

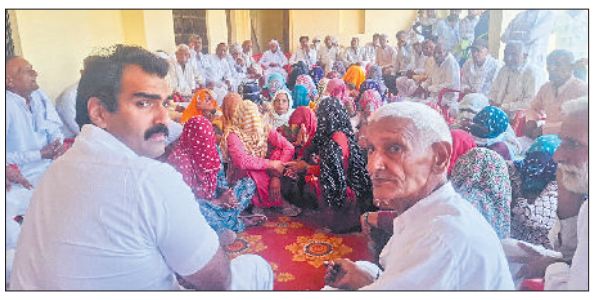

जनता की समस्याओं का निपटान करना प्राथमिकता: मोहित चौधरी

तोशाम। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के सुपुत्र मोहित चौधरी ने सोमवार को गांव बीरण सहित कई गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच में जाकर उनकी समस्याएं सुनकर उनका निदान करना हमारी पहली प्राथमिकता है। लोगों की समस्याओं का सरकार समाधान के लिए वचनबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में और देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार नान स्टाप योजनाओं के जरिये हर वर्ग के लोगों की समस्याओं का निदान कर रही है। उन्होंने कहा कि वे सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के दिशा निर्देश पर लोगों के बीच में जाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं और इस बारे सांसद महोदय को भी अवगत कराते हैं। इस अवसर पर गांव बीरण के सरपंच सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बदलाव वेलफेयर सोसाइटी ने राहगीरों को गर्मी से राहत देने को लगाई ठंडी लस्सी की छबील

भिवानी। भीषण गर्मी में लोगों को राहत देने के उद्देश्य से बदलाव वेलफेयर सोसाइटी ने चौधरी बंसीलाल पार्क के सामने में ठंडी लस्सी की छबील लगाई। संस्था के सदस्यों ने राहगीरों, दुपहिया वाहन चालकों और मजदूरी करने वाले लोगों को ठंडी मीठी लस्सी वितरित की। सोसायटी के प्रधान श्यामपाल ने कहा कि सेवा अभियान का उद्देश्य न केवल लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाना था, बल्कि सामाजिक सद्भाव और सेवा भावना को भी प्रोत्साहित करना था। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही बदलाव वेलफेयर सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य है तथा श्रीसनातन संस्कृति में किसी प्यासे को पानी पिलाना बड़े ही पुण्य का कार्य माना जाता है तथा श्रीसनातन संस्कृति की राह पर चलते हुए सोसाइटी द्वारा गर्मी के मौसम में समय-समय पर ठंडे पानी, जलजीरा की छबील लगाई जाती है। उन्होंने कहा कि जनसेवा की दिशा में ऐसे आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायक होते हैं। संस्था ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पेलूराम, चेतन, राहुल, विशाल, गंजा व सूरज आदि मौजूद रहे।

विभिन्न संगठनों ने किया प्रदर्शन

- फिलिस्तीनी जनता के हक व समाजवादी क्यूबा की मदद करने का लिया निर्णय लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शहर में प्रदर्शन करते विभिन्न सामाजिक संगठन के लोग।

किसान सभा, एटक सीटू, जनवादी महिला समिति, भारत की नौजवान सभा व रिटायर्ड कर्मचारी संघ की ओर से सोमवार को स्थानीय मंगेज भवन में अमेरिकी साम्राज्यवाद व इसराईल द्वारा फिलिस्तीनी जनता पर हमले के खिलाफ एक सेमीनार का आयोजन किया गया तथा बाद में सामूहिक प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान सभा से रामफल देशवाल, एटक से फूल सिंह इंदौरा, सीटू से अनिल कुमार, जनवादी महिला समिति से बिमला घनघस, नौजवान सभा से अनुराग व रिटायर्ड कर्मचारी संघ से नरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से की। सेमिनार का मंच संचालन किसान सभा के जिला उप प्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने किया। सेमीनार व प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राज्य सीटू उपप्रधान कामरेड सुरेंद्र मलिक ने कहा कि आज पूरी दुनिया में अमेरिकी साम्राज्यवाद इजराईल की मदद करके संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति प्रस्ताव के बाद फिलिस्तीनी जनता का नरसंहार करा रहे हैं तथा हथियार व युद्ध सामग्री देकर यूक्रेन युद्ध को लंबा खींचना चाहते है। इस मौके पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह, महासचिव रतन जिंदल, किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जगरोशन आदि ने विचार रखे।

म्हारी छौरी छौरों से कम नहीं

- आर्मी में बेटी अनुराधा को मिले सम्मान पर विधायक ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। महिला सैनिक अनुराधा को सम्मानित करते विधायक सुनील सांगवान।

विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि म्हारी छौरी, छौरों से कम नहीं हैं। आर्मी में तैनात दादरी के चंपापुरी की बेटी अनुराधा ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के टैंकों की जांच कर बेहतर कार्य किया। बेटी ने आर्मी के बेस वर्कशॉप में रहते हुए देश के लिए बेहतर कार्य करने पर सेना द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया है। विधायक ने बेटी को बधाई देते हुए कहा कि बेटी की उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र को गर्व है। विधायक सुनील सांगवान के कैंप कार्यालय में सोमवार को महिला सैनिक अनुराधा परिवार के साथ पहुंची और मुलाकात करते हुए आप्रेशन सिंदूर के दौरान सेना के बेस वर्कशॉप में किए कार्यों बारे अवगत करवाया। विधायक सुनील सांगवान ने अनुराधा को बधाई देते हुए कहा कि बेटी ने अपने कर्म, समर्पण और जज्बे से पूरे देश का नाम रोशन किया है। उनकी मेहनत, निष्ठा और देशभक्ति को देखते हुए भारतीय सेना द्वारा उन्हें सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ऐसी बेटियां हमारे समाज की असली ताकत हैं। वहीं बाद में विधायक सुनील सांगवान ने दादरी के झाड़ू चौक स्थित गली निर्माण का शुभारंभ किया और कहा कि प्रदेश की नायब सरकार द्वारा दादरी के विकास को आगे बढ़ाया जा रहा है।

विभाग भेजें पौधारोपण के लिए अपनी डिमांड

- डीसी महावीर कौशिक ने एक पेड़-माँ के नाम अभियान के द्वितीय चरण के लिए अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। वीसी के जरिए अधिकारियों को दिशा निर्देश देते उपायुक्त।

डीसी महावीर कौशिक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए कि वे एक पेड़-माँ के नाम अभियान के द्वितीय चरण में पौधारोपण के लिए वन विभाग के पास शीघ्र डिमांड भेजें। डिमांड के अनुरूप विभागों को पौधे वितरित किए जाएंगे। वन विभाग द्वारा पर्याप्त संख्या में पौधे तैयार किए गए हैं। सरकार के निर्देशानुसार जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान शुरू किया जाएगा। डीसी कौशिक सोमवार को वीसी रूम में एक पेड़-माँ के नाम अभियान के द्वितीय चरण में किए जाने वाले पौधारोपण को लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने विशेषकर शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, खेल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विकास एवं पंचायत विभाग, बागवानी विभाग, सिंचाई विभाग, कृषि विभाग, पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उनके कार्यालय परिसर और उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाली उपयुक्त जगहों पर पौधा रोपण के लिए डिमांड वन विभाग के पास भिजवाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जगह के अनुरूप ही पौधों की डिमांड भेजी जाएं। डीसी ने कहा कि एक पेड़-माँ के नाम अभियान के द्वितीय चरण में लगाए जाने वाले पौधों की जीओ टैगिंग की जाएगी। पौधारोपण के साथ उनका संरक्षण करना भी जरूरी है।

वन विभाग लगाएगा तीन लाख पौधे

इस दौरान डीएफओ डॉ. राजेश वत्स ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला में वन विभाग द्वारा तीन लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से करीब एक लाख 65 हजार पौधे किसानों को खेतों में लगाने के लिए दिए जाएंगे, जिनमें क्लोन का सफेदे होंगे। जिला में लड़कियों के स्कूलों के लिए विशेष तौर पर सहजन के पौधे दिए जाएंगे, जिनके पत्तों और फलियों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। वन विभाग द्वारा जिला में पौधारोपण को लेकर कार्य योजना तैयार की जा रही हैं, जिसके चलते नर्सरी में पौधे तैयार किया जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा जल शक्ति अभियान के तहत किसानों, आमजन और सामाजिक संस्थाओं को भी पौधे वितरित किए जाएंगे।

जिला प्रधान को लेकर मंथन

- जिला कांग्रेस कमेटी प्रधान के लिए निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन किए आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। कार्यकर्ताओं व नेताओं से मंत्रणा करते कांग्रेस पर्यवेक्षक।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पर्यवेक्षक एवं राजस्थान से विधायक रीटा चौधरी के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर लाल बहादुर खोवाल व अशोक मलिक ने दादरी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से जिला प्रधान को लेकर लोकनिर्माण विभाग के विश्राम गृह में वन टू वन मुलाकात कर विचार विमर्श किया।

उन्होंने जिला प्रधान के इच्छुक कार्यकर्ताओं को निर्धारित परफॉर्मा देते हुए 10 जून तक आवेदन जमा करवाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि एक पैनल बनाकर हाईकमान को भेजा जाएगा। केंद्रीय पर्यवेक्षक रीटा चौधरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता संगठन विस्तार को लेकर जोश देखने को मिला है, उन्हें पूरी उम्मीद ही नहीं पूरा विश्वास है कि राहुल गांधी की न्याय की लड़ाई को मजबूती मिलेगी और उनका संकल्प भी पूरा होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के कांग्रेस संगठन में हर वर्ग को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले के बाद ब्लॉक और बूथ स्तर तक संगठन बनेगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक व हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेशाध्यक्ष लाल बहादुर खोवाल व अशोक मलिक ने जिला प्रधान के आवेदन पत्र वितरित करते हुए सभी कार्यकर्ताओं से सटीक और सही जानकारी देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आवेदन पत्रों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

हनुमान जोहड़ी मंदिर में नशा मुक्त जागरूकता संकल्प कार्यक्रम आयोजित

अधिकारियों ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

- नशा व्यक्ति की सेहत के साथ पूरे समाज को करता है प्रभावित : सत्यनारायण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। नशा के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की शपथ दिलाते हुए।

युवाओं को नशे की गर्त से बाहर निकालने के लिए युवा जागृति एवं एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा नशा मुक्त हरियाणा अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत समय-समय पर ना केवल भिवानी, बल्कि अन्य शहरों में भी जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इसी अभियान के तहत सोमवार को स्थानीय हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर के स्वामी विवेकानंद सभागार में नशा मुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाजसेवी रमेश सैनी ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में सान्निध्य हुआ, जिसमें मुख्यअतिथि के तौर पर सिटी एसएचओ सत्यनारायण, ट्रैफिक इंचार्ज सुरेश कुमार व जैन चौक चौकी इंचार्ज देवेंद्र ने शिरकत की तथा उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस मौके पर बालयोगी महंत चरणदास ने कहा कि देश व समाज की तरक्की के लिए नशा जैसे जहर व सामाजिक बुराई के खिलाफ सामाजिक आंदोलन की जरूरत है, जिसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है।

अधिकत्तर अपराधों की जड़ नशा

सिटी एसएचओ सत्यनारायण, ट्रैफिक इंचार्ज सुरेश कुमार, जैन चौक चौकी इंचार्ज देवेंद्र ने कहा कि नशा ना केवल व्यक्ति की सेहत को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों, युवाओं, दुकानदारों व राहगीरों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खिलाफ प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि अधिकत्तर अपराध की जड़ नशा ही होता है। नशे की गर्त में फंसकर युवा अपराध की दुनिया में अनजाने में ही शामिल हो जाते है, जिसका नकारात्मक प्रभाव ना केवल उनके, बल्कि उनके परिवार के साथ-साथ देश के भविष्य पर भी पड़ता है। ऐसे में समाज व देश की तरक्की के लिए जरूरी है कि प्रत्येक जन नशे से दूरी बनाए। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों की हरकतों पर विशेष ध्यान रखे तथा उन्हे गलत संगत में फंसने से बचाए।

खबर संक्षेप

सीजेएम ने बैठक में विभागों को दिए निर्देश

भिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार की अध्यक्षता में विधवा सेल की ऑनलाइन मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सीजेएम पवन कुमार ने जिला स्तर पर विधवा सेल प्रणाली के अंतर्गत विधवा महिलाओं को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने को लेकर समीक्षा की।

हर रविवार अधिवक्ता देंगे कानूनी सेवाएं

लोहारू। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा लोहारू उपमंडल के गांव सोहासड़ा तथा बहल के पंचायत घरों में जून माह के लिए विलेज लीगल केयर एंड सपोर्ट सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन लीगल पॉलीक्लिनिक में सायं दो बजे से पांच बजे तक पैनल अधिवक्ता और पीएलवी प्रत्येक रविवार लोगों को कानूनी सेवाएं दी जाएगी।

शहर में सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाएः मलिक

भिवानी। गुलजार मलिक एचसीएस ने सोमवार को भिवानी नगर परिषद में डीएमसी का कार्यभार संभाला। उनके पास चरखी दादरी डीएमसी का भी कार्यभार है। इस दौरान मलिक ने शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर में सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करें। डीएमसी ने निर्देश देते हुए कहा कि नागरिक काम के लिए नगर परिषद कार्यालय में आते हैं। लोगों के काम तुरंत प्रभाव से किए जाएं।

ढिगावा जाटान की सबसे बुजुर्ग महिला का 105 वर्ष की आयु में निधन

ढिगावा मंडी। गांव ढिगावा जाटान की सबसे बुजुर्ग महिला मंदोरी देवी का सोमवार को देहांत हो गया। पूर्व सरपंच एवं नंबरदार काशीराम रांगी

की 105 वर्षीय माता मंदोरी देवी का गांव के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि वे गांव की सबसे बुजुर्ग महिला थी। परिजनों के अनुसार वे कभी भी बीमार नहीं हुई और अंतिम सांस भी परिजनों के बीच ही ली। उनके बेटे व पोतो ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनके परिवार में बेटे, बहुएं, पौत्र-पौत्रियां, पड़पौत्र-पड़पौत्रियां सहित कुल 33 सदस्य शामिल हैं।

समस्याओं का तुरंत समाधान करें अधिकारी

भिवानी। जिला परिषद सीईओ अजय चोपड़ा ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को बिजली, पानी से संबंधित समस्याओं का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।

डाउनटाउन क्लब का आधिकारिक निरीक्षण

भिवानी। रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन ने एक निजी रेस्तरा में आयोजित एक कार्यक्रम में क्लब के वार्षिक आधिकारिक निरीक्षण पर आये प्रांतपाल संदीप चौहान का स्वागत किया.इस अवसर पर वर्ष 2027-28 के लिए चयनित प्रांतपाल शिव शंकर वशिष्ठ भी उपस्थित रहे।

ओपीडी चालू करवाने व बीएड कॉलेज के मर्ज का फैसला रद करवाने की मांग

चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल बचाओ संघर्ष समिति ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री के नाम मांपत्र सौंपा। उपायुक्त की तरफ से एसडीएम महेश कुमार ने ज्ञापन लिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। चौधरी बंसीलाल नागरिक हस्पताल की ओपीडी चालू करवाने एवं अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन करते चौधरी बंसीलाल नागरिक हस्पताल बचाओ संघर्ष समिति के सदस्य व लघु सचिवालय परिसर के बाहर प्रदर्शन करते चौधरी बंसीलाल नागरिक हस्पताल बचाओ संघर्ष समिति के सदस्यों को रोकती पुलिस।

चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में ओपीडी पुनः चालू करवाने, अस्पताल की जर्जर चारों लिफ्टों की जगह नई लिफ्ट लगवाने, पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कॉलेज में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए विशिष्ट डॉक्टरों व पैरा मेडिकल स्टाफ की भर्ती व सरकारी बीएड कॉलेज के सीबीएलयू के मर्ज के फैसले को रद करने को लेकर उपायुक्त कार्यालय के सामने सैंकड़ों नागरिकों को लेकर चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल बचाओ संघर्ष समिति ने प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री के नाम मांपत्र सौंपा। उपायुक्त की तरफ से एसडीएम महेश कुमार ने ज्ञापन लिया। संघर्ष समिति के संयोजक एवं कांग्रेसी नेता चौधरी बंसीलाल के पोते अनिरुद्ध चौधरी, जनसंघर्ष समिति के संयोजक व सीपीआईएम के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश व व्यापारी एवं कांग्रेसी नेता देवराज महता के नेतृत्व में सैंकड़ों लोगों ने उपायुक्त कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। इससे पूर्व आंदोलन में शामिल सैंकड़ों नागरिक चौधरी सुरेन्द्र सिंह पार्क में एकत्रित हुए तथा व्यापारी नेता देवराज महता ने अध्यक्षता में सभा की व मंच संचालन कामरेड ओमप्रकाश ने किया। अनिरुद्ध चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने भिवानी में पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कॉलेज में न तो विभिन्न बीमारियों के इलाज के विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती की, न उचित तरीके से उद्घाटन किया। आनन-फानन में चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल बंद करने के उदेश्य से उसके सभी डॉक्टरों को अनुचित तरीके से मेडिकल कॉलेज में स्थांतरित कर दिया और अस्पताल की ओपीडी बंद कर दी। इससे भिवानी जिले व आसपास की जनता को कोई लाभ नहीं हुआ, बल्कि इलाज संबन्धी समस्यायों और ज्यादा बढ़ गई। उन्होंने कहा कि लंबे अरसे से अस्पताल की चारों लिफ्टें जर्जर व खराब पड़ी है। परिणामस्वरूप विभिन्न वार्डो में भर्ती मरीजों व उनके तामीरदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में बाथरूम व टायलटों में भारी गंदगी का आलम है। उन्होंने कहा कि सरकारी बीएड कॉलेज, जिसकी स्थापना चौधरी बंसीलाल ने 1973 में की थी, उसे बिना कारण सीबीएलयू में मर्ज करने की योजना चल रही है, जो पढ़ने वाले विद्यार्थियों के हक में नहीं है। अब इस कालेज में पूरे कोर्स की फीस मात्र 34 हजार 500 रूपये है। बाद में इसे यूनिवर्सिटी में मर्ज करने के बाद, एक लाख रुपये से ज्यादा कर दी जाएगी। नायब सैनी सरकार को इस निर्णय को वापस लेना चाहिए।

जनसंघर्ष समिति के नेतृत्व में शहर के नागरिक एक महीने से आंदोलनरत

चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के मुद्दे को लेकर पिछले एक महीने से जनसंघर्ष समिति के नेतृत्व में शहर के नागरिक आंदोलनरत हैं और इसकी समस्याओं के समाधान के लिए कई बार अस्पताल व मेडिकल कॉलेज प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव व महिला बाल विकास एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी को ज्ञापन भेज चुके हैं। प्रदर्शन में युवा कल्याण संगठन के कमल प्रधान, कामरेड रवि खन्ना, पूर्व विधायक शिवशंकर भारद्वाज, पूर्व महिला जिला प्रधान अमन तंवर राघव, सुरेश प्रजापति, समीर खटीक, गणेशीलाल, सुरेंद्र परमार, पूर्व बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर, संतोष देशवाल, अशोक ढोला, आसन सांगवान, महेश कालरा, अनिल मुंजाल, रतन कुमार जिंदल, रमेश ढिकाव व यादविरेद्ध शर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। नहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते उपायुक्त। *फोटो: हरिभूमि*

उपायुक्त ने लिया ड्रेनों की सफाई व्यवस्था का जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- अधिकारियों को दिए तय समय में सफाई पूरी करने के निर्देश

डीसी महावीर कौशिक ने सोमवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर जिले की विभिन्न ड्रेनों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून की बारिश के चलते निर्धारित समय के दौरान ड्रेनों की सफाई व्यवस्था करें। उल्लेखनीय है कि मानसून की बारिश के दौरान पानी की निकासी को लेकर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पिछले कुछ दिनों पहले प्रदेश के सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए थे कि वे अपने-अपने जिलों में शहरी क्षेत्र में नालों और ड्रेनों की सफाई का कार्य करवाएं ताकि पानी की निर्बाध रूप से निकासी हो सके। इसी के चलते उपायुक्त श्री कौशिक ने जिला के शहरी क्षेत्र में नालों को लेकर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को तथा ड्रेनों की सफाई को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि शहर में नालों तथा कृषि क्षेत्र में गांवों के आसपास ड्रेनों की सफाई का कार्य करवाया जाए। डीसी के आदेशानुसार ड्रेनों और नालों की सफाई का कार्य चल रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को डीसी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर तिगड़ाना मिताथल घुसकानी लिंक ड्रेन, धनाना मिताथल लिंक ड्रेन और मिताथल गुजरानी लिंक ड्रेन में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय के दौरान के अंदर ड्रेनों की सफाई का कार्य पूरा किया जाए। बारिश के दिनों में पानी की निकासी की समस्या नहीं बननी चाहिए। इस दौरान सिंचाई विभाग के संबंधित अधिकारी साथ में रहे।

योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

- 15 जून को सुबह 6 बजे होगी योगा मैराथन

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा सीटीएम।

सीटीएम जितेन्द्र की अध्यक्षता में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया। बैठक में उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करते हुए सफल आयोजन करवाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी विभाग सुनिश्चित करें कि आयोजन की तैयारियां समय से पहले कर ली जाएं। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके। उन्होंने आयोजन स्थल की साफ-सफाई, पेयजल की उपलब्धता, ट्रैफिक प्रबंधन, एंबुलेंस व मेडिकल स्टाफ की तैनाती सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की जागरूकता को लेकर 15 जून को योग मैराथन भी आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य लोगों को योग के महत्व और उसके सकारात्मक प्रभावों से अवगत कराना है ताकि लोग स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। मैराथन प्रातः 6 बजे प्रारंभ होगी, जिसमें बड़ी संख्या में युवा एवं खिलाड़ी भाग लेंगे।

धर्मबीर और जेपी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

- मनरेगा के तहत छोटे किसानों के लिए काम के किए गए हैं विशेष प्रावधान : सांसद धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित मीटिंग में उपस्थित सांसद धर्मबीर सिंह व सांसद जयप्रकाश।

लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सोमवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता हिसार से सांसद जयप्रकाश और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ने संयुक्त रूप से की। बैठक में निर्देश देते हुए सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा मनरेगा के तहत छोटे किसानों के लिए काम के विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिसमें 266 कार्य शामिल हैं। मनरेगा को छोटे किसानों के साथ में जोड़ा जाए ताकि वे अपनी आमदनी बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि किसानों को मनरेगा के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों की जानकारी भी दी जाए। बैठक के दौरान नेशनल हाईवे, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, रेलवे, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, नेशनल हेल्थ मिशन, समग्र शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, मिड डे मील, डिजिटल इंडिया, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, खनन कार्य, पशुपालन योजनाएं, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, स्वच्छ भारत मिशन शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में जिला परिषद के सीईओ अजय चोपड़ा ने एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए की सरकार द्वारा पशुपालन के लिए ऋण सहायता प्रदान की जाती है लेकिन बैंकों द्वारा वह सहायता आसानी से नहीं दी जाती। इससे पशुपालकों को या आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पशुपालन के लिए ऋण लेने में परेशानी नहीं होनी चाहिए।

पेयजल की दिक्कत न हो

समीक्षा बैठक में सांसद धर्मबीर सिंह ने विशेषकर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि विशेष कर जिले के उन गांवों के वाटर टैंकों को पानी से भरना सुनिश्चित करें जहां पर पेयजल की दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के समक्ष पेयजल की समस्या नहीं बनी चाहिए। इसी प्रकार से उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्कूलों की बिल्डिंग बिल्कुल जर्जर हो चुकी है, उन स्कूल भवनों को कंडम किया जाए और नए स्कूल भवनों का निर्माण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों में पेयजल और शौचालय का प्रबंध हो।

लोगों में विरोध की सुगबुगाहट शुरू

- लोगों ने कहा हर हालत में भिवानी में रहना पसंद, हांसी में शामिल होना सोच से बाहर
- बवानी खेड़ा को हांसी में शामिल करने को लेकर होगा विरोध
- बोले, सरकार को अगर कुछ करना है तो उपमंडल का दर्जा दे

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा को हांसी जिला बनने पश्चात उसे शामिल करने को लेकर जहां गांव-गांव में पंचायतों का दौर शुरू हो गया है तो वहीं बवानी खेड़ा में भी हांसी में शामिल होने के विरोध की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। लोगों का मानना है कि उनका जुड़ाव भिवानी से है और वे भिवानी जिले का ही हिस्सा बने रहना पसंद करते हैं सरकार को अगर कुछ करना है तो उपमंडल का दर्जा दे ताकि यहां विकास हो सके। जल्द ही लोगों ने विधायक कपूर वाल्मीकि को ज्ञापन सौंपनें की बात कहते हुए अपने विचार साझा किए।

विधायक ने सिफारिश की

विधायक कपूर वाल्मीकि के बड़े भाई मा. राजेश कुमार वाल्मीकि ने बताया कि विधायक कपूर वाल्मीकि ने मुख्यमंत्री के समक्ष पुरजोर सिफारिश की हुई है कि बवानी खेड़ा को भिवानी में ही रखा जाए और रही बात उपमंडल की तो मुख्यमंत्री नायब सैनी विशाल हृदय समाट है और ये मांग भी जल्द पूरी होगी और यहां की जनता को तोहफा मिलेगा।

भिवानी घर जैसा

ठेकेदार राजीव टिहाल बलियाली का कहना है कि वे बवानी खेड़ा को हांसी जोड़ने का विरोध करते हैं। उनका सारा बिजनेस भिवानी से जुड़ा हुआ है। हांसी जोड़ने पर उन्हें दोबारा से मेहनत करनी पड़ेगी और ये उल्टी गंगा बहने के समान होगा। इसलिए वे भिवानी से ही

उपमंडल बने

समाजसेवी कर्ण ओड ने बताया कि बवानी खेड़ा को उपमंडल बनाने की घोषणा हुई लेकिन सिरे नहीं चढ़ी अब हांसी के साथ बवानी खेड़ा को जोड़ना करंट लगने जैसा है। उनका मानना है कि बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा दिया जाए ताकि यहां रोजगार बढ़े और लोकसभा

विधायक से मांग करके सीमए तक पहुंचाएंगे

रमेश सिंदवानी उर्फ मैसी ने बताया कि उन्होंने जन्म से ही भिवानी जिले को देखा और अपने जीवन में भिवानी से ही जुड़े रहना चाहते हैं। यदि हांसी जिले में बवानी खेड़ा को जोड़ने की योजना बनाई जाती है तो पूरा शहर हलका विधायक कपूर वाल्मीकि के समक्ष ऐसा न करने की गुहार लगाएगा और ये आवाज मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी ताकि बवानी खेड़ा को भिवानी जिले में ही रहने दिया जाए।

लोगों को योग के प्रति किया प्रेरित

- योग दिवस के उपलक्ष्य में योगा अभ्यास करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। एमसी कॉलोनी पार्क में योगाभ्यास करते लोग। *फोटो: हरिभूमि*

एमसी कॉलोनी स्थित सेंट्रल पार्क में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगा अभ्यास करवाकर अधिक से अधिक लोगों को योग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। भारत माता सेवा मंडल के अध्यक्ष अधिवक्ता पदमसिंह चौहान ,उपाध्यक्ष सुभाष छाबड़ा व श्रीसनातन परिषद जिलाध्यक्ष सुरेश वधवा ने योगा कार्यक्रम में टिप्स देते हुए कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक फायदा होता है। नित्य योगा से आपकी शारीरिक ताकत बढ़ती है, मानसिक तनाव से मुक्ति एवं योग रोग प्रतिरोधक ताकत बढ़कर हर बीमारी को ठीक करने में सहायक है। मंडल अध्यक्ष चौहान ने आमजन से आह्वान किया कि 21 जून को उत्सव के रूप में मनाएं और योग को अपने जीवन का अंग बनाएं। इस मौके पर संरक्षक पूर्णमल शर्मा, गणपत जसूजा, संगठन मंत्री सुमेर सैनी, सेवा प्रमुख अशोक कुमार ने सभी को विभिन्न योग करवाकर उनका महत्व बताया। नगर प्रभारी ओमप्रकाश चावला, उपाध्यक्ष मुरीलाल शर्मा व बिशम्बर शर्मा ने योग को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प करवाया। कार्यक्रम में धर्मपाल वधवा, नरेन्द्र बग्गा, वीरेंद्र कुकरेजा,भगवानदास, धर्मबीर, महावीर तेनेजा, अंगना हलवाई, रमेश यादव, वेदप्रकाश तंवर, सूरजप्रकाश, सुरेंद्र परमार, सुरेश बजाज, त्रिलोकचंद्र, यज्ञदत्त, हरभगवान रखेजा, जुगनू पेंटर, भीष्म सचदेवा, जसवंत मौजूद थे।

व्यायामशालाओं में करवाया योगाभ्यास

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कई स्थानों पर किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम। आयोजित शिविर में योग करवाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

गांव जैनावास की व्यायामशाला में जिला भिवानी की योग ट्रेनर व आयुष योग सहायक सीमा के नेतृत्व में तथा गांव खरकड़ी सोहान की व्यायामशाला में नवीन के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरपंच रमेश तथा पंच सूरजभान भी विशेष तौर पर मौजूद रहे। शिविर में रमेश कुमार व्यायाम करवाया तथा उनके लाभों के बारे में भी बताया। इस मौके पर व्यायाम, प्रार्थना, शिथली, करण, सूक्ष्म, अभ्यास, खड़े होने वाले आसन, बैठक कर किए जाने वाले आसन, कपाल भाति, ओउम का उच्चारण, ताड़ासन, सूर्य नमस्कार आदि के साथ शांति पाठ सहित संकल्प का भी लिया गया। प्रोटोकॉल के दौरान बच्चों को व्यायाम के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर व्यायामशला की साफ-सफाई की तथा पौधें लगाए गए। प्रोटोकॉल कार्यक्रम हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य, जिला आयुर्वेद अधिकारी डा. रश्मि शर्मा, जिला योग समन्वयक डा. संजय कुमार वैद, जिला योग विशेषज्ञ डा. निशा खट्टर, डा. कविता व डा. प्रीति के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

सिंदूर वंदन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया

सेना ने समझा दिया क्या होता है सिंदूर...

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कवि सम्मेलन का शुभारंभ करवाते विधायक घनश्याम सर्राफ।

महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार देर रात पंचायत भवन में जिला प्रशासन के तत्वावधान में साहित्यकार मित्र मंडली, भिवानी द्वारा सिंदूर वंदन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादी हमले का करारा जवाब देने वाली भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित रहा। भिवानी से विधायक घनश्याम सर्राफ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा अध्यक्षता डीसी महावीर कौशिक ने की। एसपी मनबीर सिंह ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। वयोवृद्ध कवि बिजेंद्र गाफिल ने अपनी कविता की लाइनें कुछ इस प्रकार पढ़ी कि 'अश्क को झिंझोड़कर तो देखा जाए, आईने तो तोड़कर तो देखा जाए- तो क्या मेरा भगवान मुझसे खुश हुआ- नारियल को फोड़कर तो देखा जाए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सहित्यकार डॉ. रमाकांत शर्मा ने अपनी कविता से समझाया कि 'समझा नहीं था घमंड में चूर, सेना ने समझा दिया क्या होता सिंदूर। घर में घुसकर मारती- करती है संग्राम, मेरे भारत वर्ष की सेना तुझे प्रणाम'। चिकित्सक एवं कवि डॉ. शिव कांत शर्मा ने हास्य रस से भरी अपनी रचना सुनाई कि ठाढा मारै रोण ना दे, तू के कर ले मैं के कर लूं, बरसे कोन्या काल गेर दे, के बरसे यो रोज झमाझम, बीज बाजरा बोण ना दे, तू के करले मैं के करलूं, खाट म्है खटमल कान में माछर, रोंदू टिंगर सासू खूसट, ना सोवे और सोण ना दे, तू के करले, मैं के कर लू, के द्वारा सभी को गुदगुदाने का काम किया।

कोई दिल से नहीं मिलता, किसी से दिल से नहीं मिलता

इसी प्रकार मथुरा से पधारे श्याम सुंदर अकींचन ने अपनी कविताओं की जोरदार प्रस्तुति दी। उन्होंने सुनाया कि बिना मधुमास गुलशन में अमूबन गुल नहीं खिलता, तेल बाती बिना हरगिज कभी दीपक नहीं जलता, बड़ी वितरीत रीति है अकींचन इस जमाने की, कोई दिल से नहीं मिलता, किसी से दिल से नहीं मिलता। रोहतक से पधारे विरेंद्र मधुर ने मानवता को समर्पित अपनी कविता की लाईने इस प्रकार पढ़ी कि न हिंदू न मुस्लमान हूं, ईश्वर की निशानी हूं, भागीरथ की तपस्या का शुद्ध गंगा का पानी हूं। उन्होंने अपनी कविताओं से जल संरक्षण का भी संदेश दिया। हरियाणवी कवि वीएम बेचैन ने ठेठ हरियाणवी भाषा में अपनी कविता के माध्यम से भागदौड़ की जिंदगी में तनाव मुक्त रहने का तरीका बताया।